आरईसी
REC
असीमित ऊर्जा, अनन्त संभावनाएं
Endless energy. Infinite possibilities.
महारत्न कंपनी

संधारणीयता

को सक्षम बनाना

@आरईसी

ईएसजी रिपोर्ट 2023-24

विषय-सूची

01.	हमारे नेतृत्व का संदेश	02
02.	रिपोर्ट के बारे में	05
03.	आरईसी के बारे में	07
04.	वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त पुरस्कार एवं सम्मान	14
05.	हितधारक जुड़ाव और भौतिकता	16
06.	एसडीजी में आरईसी का योगदान	24
07.	वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आरईसी की ईएसजी विशेषताएं	30
08.	हमारे फोकस के क्षेत्र	33
09.	जलवायु जोखिम प्रबंधन	35
10.	ऊर्जा एवं उत्सर्जन प्रबंधन	36
11.	जल प्रबंधन	42
12.	अपशिष्ट प्रबंधन	44
13.	जैव विविधता	45
14.	ग्रीन फाइनेंस	47
15.	ऋण प्रदान करने में ईएसजी एकीकरण	48
16.	सामाजिक विकास	50
17.	सतत आपूर्ति श्रृंखला	74
18.	डेटा गोपनीयता	76
19.	निगमित सुशासन और व्यावसायिक नैतिकता	78
20.	आरईसी की नीतियों का बीआरएसआर सिद्धांतों के साथ मैप	91
21.	जीआरआई सूचकांक	93
22.	एसएएसबी सूचकांक	97
23.	आईएफसी प्रदर्शन मानक	98
24.	संक्षिप्ताक्षर	98

हमारे अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक महोदय का संदेश

विवेक कुमार देवांगन, आईएएस
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आरईसी लिमिटेड

प्रिय हितधारकों,

ऊर्जा क्षेत्र हरित ऊर्जा की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव देख रहा है, और हमें भारत की स्वच्छ ऊर्जा क्रांति में सहयोग करने वाले अग्रणी संस्थाओं में से एक होने पर गर्व है। आरईसी में हम अपने परिचालन में पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) विचारों को प्राथमिकता देने के महत्व को पहचानते हैं। हम अपनी वित्तपोषण प्रणालियों के माध्यम से हरित और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिज्ञा में दृढ़ हैं और प्रभावी ईएसजी नीतियों और प्रक्रियाओं को लागू करने और उनकी देख-रेख करने के लिए समर्पित हैं

संधारणीयता और ईएसजी क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है और नीति और नियामक ढांचे पर समय-समय पर मंथन किया जा रहा है जो बाजार के प्लेयर्स को यह सुनिश्चित करने की गंभीरता के बारे में संवेदनशील बनाने में मदद करता है कि उनका संचालन दीर्घकालिक है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जुलाई 2023 में अद्यतन बीआरएसआर फ्रेमवर्क पेश किया है, जिसका अनुपालन वित्तीय वर्ष 24 से शीर्ष 1000 सूचीबद्ध संस्थाओं (बाजार पूंजीकरण द्वारा) के लिए अनिवार्य है। इसके अलावा शीर्ष 150 सूचीबद्ध संस्थाओं को अनिवार्य रूप से बीआरएसआर कोर का उचित आश्वासन लेना होगा। सेबी दिशानिर्देशों के अनुपालन में, आरईसी वित्तीय वर्ष 2022-23 से निर्धारित प्रारूप में बीआरएसआर रिपोर्ट संकलित कर रहा है और इस वर्ष उचित आश्वासन के बाद बीआरएसआर रिपोर्ट हमारी वार्षिक रिपोर्ट में शामिल की गई है।

इस वर्ष, हमने अपनी ईएसजी रणनीति पर महत्वपूर्ण वृद्धि की है और आरईसी ने क्षेत्रीय विशेषज्ञों के परामर्श से संबंधित विभाग को मार्गदर्शन के लिए अपनी ईएसजी नीति अपनाई है, हम ईएसजी अंतर मूल्यांकन करने और ईएसजी कार्य योजना विकसित करने सहित संचालन करते हैं। हमने अपने परिचालन के लिए आवश्यक ईएसजी संबंधी समस्याओं की पहचान करने और उन्हें प्राथमिकता देने के लिए अपना पहला ईएसजी भौतिकता मूल्यांकन अभ्यास आयोजित किया है। हमने अपने ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन को मापना और रिपोर्ट करना शुरू कर दिया है और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने, वर्षा जल संचयन, जल निर्वहन का उपयोग, जिम्मेदार व्यवसाय आचरण सिद्धांतों पर राष्ट्रीय दिशानिर्देशों सहित विभिन्न पहलुओं पर हमारी जनशक्ति का पर्याप्त प्रशिक्षण जैसे विभिन्न उपाय शुरू किए हैं। इसके अतिरिक्त, हमने अपने बोर्ड के सदस्यों सहित एनजीआरबीसी सिद्धांतों और ईएसजी प्रणालियों पर व्यापक क्षमता-निर्माण संबंधी कार्यशालाएँ आयोजित कीं।

हम सकारात्मक सामाजिक प्रभाव को अधिकतम करते हुए पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव के साथ अपनी गतिविधियाँ संचालित करने के लिए समर्पित हैं। हमने अपनी समग्र व्यावसायिक रणनीति में ईएसजी विचारों को इकठ्ठा किया है, यह पहचानते हुए कि दीर्घकालिक मूल्य निर्माण के लिए सतत प्रणालियाँ आवश्यक हैं। इसके अलावा, हम अपने कार्मिकों के बीच जागरूकता बढ़ाकर और ईएसजी मूल्यों को बढ़ावा देकर अपने संगठन के भीतर स्थिरता और सामाजिक जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं।

मुझे हमारी पहली संधारणीयता रिपोर्ट प्रकाशित करते हुए खुशी हो रही है, जो हमारे ईएसजी प्रदर्शन और चल रही पहलों का व्यापक अवलोकन प्रदान करती है।

हम अपने हितधारकों के प्रति उनके अटूट समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं क्योंकि हम अधिक संधारणीय भविष्य की ओर इस यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं। नए आत्मविश्वास के साथ, हम एक सार्थक और स्थायी प्रभाव डालने के लिए तैयार हैं क्योंकि हम एक स्थायी भविष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

भवदीय,

विवेक कुमार देवांगन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आरईसी लिमिटेड

हमारे निदेशक (परियोजना) महोदय का संदेश

विजय कुमार सिंह
निदेशक (परियोजना), आरईसी लिमिटेड

प्रिय हितधारकों,

जैसा कि मैं हमारी यात्रा पर बात कर रहा हूं, मैं आरईसी लिमिटेड के लिए हमारे जीआरआई फ्रेमवर्क के संदर्भ में एक माइलस्टोन के रूप में पहली स्थिरता रिपोर्ट जारी करने की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हूँ। यह रिपोर्ट एक दस्तावेज़ से कहीं अधिक है; यह पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) सिद्धांतों के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में है और एक स्थायी भविष्य की हमारी चल रही खोज में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

ईएसजी यात्रा की दिशा में हमारे प्रयास जनवरी 2023 में शुरू हुए, जहां हमने बढ़ती जलवायु संबंधी समस्याओं को दूर करने और विकसित स्थिरता नियमों का अनुपालन करने के लिए अपनी ईएसजी नीति पेश की। यह नीति स्थिरता के प्रति हमारे व्यापक दृष्टिकोण की नींव रखती है। प्रत्येक विभाग ने अपने कार्यान्वयन के लिए अल्पावधि से मध्यावधि, सामान्य लक्ष्य निर्धारित किए हैं। अन्य पक्ष के मूल्यांकन के महत्व को पहचानते हुए, हमने गहन ईएसजी अंतर मूल्यांकन करने के लिए एक ईएसजी सलाहकार सेवा प्रदाता के साथ साझेदारी की, जिससे कई महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई।

हमने उद्योग मानकों के अनुरूप होने के बाद नवीनीकृत वार्षिक कार्य योजना के साथ अपनी मौजूदा ईएसजी नीति की गहन समीक्षा की है। पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ने हमें आरईसी के कॉर्पोरेट कार्यालय, 21 क्षेत्रीय कार्यालयों और हमारी अनुषंगी आरईसीपीडीसीएल में ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) मूल्यांकन करने और उत्सर्जन को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और कम करने के लिए आवश्यक नियंत्रण केंद्र स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। हमने अपने ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन को मापने और रिपोर्ट करना शुरू कर दिया है, जिसमें स्कोप 1, स्कोप 2 और स्कोप 3 उत्सर्जन की चुनिंदा श्रेणियां शामिल हैं। मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि आरईसी हमारे उत्सर्जन कटौती के लक्ष्यों और उन्हें प्राप्त करने के लिए एक रोडमैप पर काम कर रहा है, जो हमारे कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है।

भारत के पंचामृत लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, हमारा लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2030 तक अपने स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो को अपनी ऋण बही के मौजूदा 8% से बढ़ाकर 30% करना है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में, हमने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए संस्वीकृतियों में 533% की प्रभावशाली वृद्धि हासिल करते हुए महत्वपूर्ण प्रगति की है। हम अपने लक्ष्य तक पहुंचने और अपने स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए समर्पित हैं।

उभरती स्थायी व्यावसायिक गतिविधियों हेतु किफायती ऋण उपलब्ध कराने के लिए आरईसी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, बहुपक्षीय विकास बैंकों और विकसित वित्तीय संस्थानों के साथ भी साझेदारी करता है। आरईसी सकारात्मक पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव पैदा करने में मदद करने वाली परियोजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए इन संस्थानों से प्राप्त क्रेडिट लाइन (एलओसी) का उपयोग करता है।

यह यात्रा सिर्फ लक्ष्य पूरा करने के बारे में नहीं है; यह एक सार्थक बदलाव लाने के बारे में है। जैसे-जैसे हम अधिक संधारणीय और उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं, मैं आपके अटूट सहयोग के लिए आपका धन्यवाद करना चाहूंगा।

भवदीय,

विजय कुमार सिंह
निदेशक (परियोजना), आरईसी लिमिटेड

हमारे निदेशक (वित्त) महोदय का संदेश

हर्ष बवेजा
निदेशक (वित्त), आरईसी लिमिटेड

प्रिय हितधारकों,

हमारी पहली स्थिरता रिपोर्ट का जारी होना अधिक स्थायी भविष्य की दिशा में आरईसी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है। आरईसी में, हम वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करने में वित्तीय संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हैं। स्थायी वित्त के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सिर्फ एक प्रतिज्ञा से कहीं अधिक है; यह धरती मां की सुरक्षा करते हुए आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के प्रति हमारे मजबूत समर्पण को दर्शाता है।

हम अपने व्यवसाय के हर पहलू में पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) विचारों को एकीकृत करने के अपने संकल्प में अटल हैं– चाहे वह हमारी उधार प्रणालियाँ, निवेश रणनीतियों या कॉर्पोरेट नीतियों में हो। बढ़ती जलवायु संबंधी समस्याओं और तेजी से विकसित हो रहे नियामक परिदृश्य के मद्देनजर, ईएसजी जोखिमों को व्यापक तरीके से हल करना आवश्यक हो गया है। इस समझ ने हमारे बोर्ड को एक ईएसजी नीति को मंजूरी देने के लिए प्रेरित किया जो अब स्थिरता के प्रति हमारे समग्र दृष्टिकोण के आधार के रूप में कार्य करती है।

हमारी स्थायी वित्तपोषण पहलों के हिस्से के रूप में, आरईसी ने एक ग्रीन फाइनेंस फ्रेमवर्क स्थापित किया है। यह फ्रेमवर्क हरित बॉण्ड, ऋण और अन्य वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स जारी करने के लिए आधार के रूप में कार्य करता है, जिसका उपयोग पात्र हरित परियोजनाओं के वित्तपोषण और/या पुनर्वित्त के लिए किया जाएगा। इस फ्रेमवर्क का लक्ष्य भविष्य के सभी हरित वित्तपोषण प्रयासों के लिए एक सुसंगत कार्यप्रणाली सुनिश्चित करना है, जो पूरी तरह से आरईसी के मूल स्थायी मूल्यों के साथ संरेखित हो। हमारा ग्रीन फाइनेंस फ्रेमवर्क जलवायु बॉण्ड मानक संस्करण 3.0, आईसीएमए द्वारा प्रकाशित ग्रीन बॉण्ड सिद्धांत 2021 और एलएमए, एपीएलएमए और एलएसटीए द्वारा प्रकाशित ग्रीन ऋण सिद्धांत 2021 के अनुसार है। इस फ्रेमवर्क का ड्राफ्ट तैयार करने में, हमने जीबीपी/जीएलपी के चार मुख्य घटकों, आय का उपयोग, परियोजना मूल्यांकन और चयन की प्रक्रिया, आय का प्रबंधन और रिपोर्टिंग के साथ संरेखण सुनिश्चित किया।

यह रिपोर्ट न केवल स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दिखती है, बल्कि हमारे मुख्य कार्यों में ईएसजी विचारों को एकीकृत करने के लिए हमारे सक्रिय दृष्टिकोण का भी संकेत देती है। हमारा विश्वास है कि ऐसा करके, हम सभी के लिए अधिक सतत और अनुकूल भविष्य बनाने में सार्थक योगदान दे सकते हैं।

हर्ष बवेजा
निदेशक (वित्त), आरईसी लिमिटेड

रिपोर्ट के बारे में

रिपोर्टिंग एप्रोच

जीआरआई

यह रिपोर्ट ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव (जीआरआई) यूनिवर्सल स्टैंडर्ड्स 2021 के संदर्भ में तैयार की गई है और स्थिरता के भौतिक पहलुओं पर केंद्रित है जो हमारे व्यवसाय के लिए सबसे उपयुक्त हैं।

यह रिपोर्ट भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की कारोबार उत्तरदायित्व और संधारणीयता रिपोर्टिंग (बीआरएसआर) आवश्यकताओं के साथ भी संरेखित है और इसमें संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएन एसडीजी) में उल्लिखित विविध उद्देश्यों के प्रति हमारा योगदान शामिल है।

सतत विकास लक्ष्य

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आरईसी की पहली संधारणीयता रिपोर्ट मुख्य रूप से हमारे हितधारकों को हमारी ईएसजी प्रणालियों का संक्षिप्त, पूर्ण और पारदर्शी मूल्यांकन प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

सीमा और दायरा रिपोर्ट करें

यह रिपोर्ट समेकित आधार पर तैयार की गई है। यह व्यापक रिपोर्ट आरईसी की स्थिरता यात्रा, उपलब्धियों का जश्न मनाने और महत्वाकांक्षी भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने का एक विस्तृत दृश्य प्रस्तुत करती है।

रिपोर्टिंग की अवधि

रिपोर्ट में बताई गई जानकारी 1 अप्रैल 2023 - 31 मार्च 2024 की अवधि से संबंधित है। विशिष्ट परिदृश्यों में, हितधारकों को समग्र परिप्रेक्ष्य प्रदान करने के लिए, हमने कुछ प्रमुख मापदंडों के लिए डेटा का ट्रेंड विश्लेषण किया है। इस रिपोर्ट में प्रस्तुत ट्रेंड विश्लेषण से हमें मध्यम और लंबी अवधि में अपनी प्रगति का मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी। हितधारक हमारी रिपोर्ट को बेहतर बनाने के लिए श्री विजय कुमार सिंह, निदेशक (परियोजना) directorprojects@recindia.com से संपर्क कर सकते हैं और फीडबैक और राय दे सकते हैं।

आरईसी लिमिटेड

के बारे में

आरईसी लिमिटेड के बारे में

आरईसी लिमिटेड एक अग्रणी महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम और भारत की सबसे बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी में से एक है। वर्तमान में पूरे विद्युत क्षेत्र की मूल्य श्रृंखला में, आरईसी अपने नवीन वित्तीय समाधानों के साथ भारत की क्रांतिकारी यात्रा के हर चरण में भागीदार रहा है। देश की वृद्धि को और गति देते हुए, आरईसी ने अब गैर-विद्युत बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के वित्तपोषण में कदम रखा है। आरईसी में, हम सिर्फ मजबूत बुनियादी ढांचे का निर्माण नहीं कर रहे हैं, हम प्रत्येक नागरिक के जीवन की गुणवत्ता को समृद्ध कर रहे हैं।

निवल लाभ
₹ 14,019 करोड़

निवल संपत्ति
₹ 68,783 करोड़

ऋण बही
₹ 5.09 लाख करोड़

भारत में हर चौथे बल्ब को ऊर्जान्वित करते हुए

आरईसी के माध्यम से ऊर्जा क्रांति को सक्षम करना

भारत की ऊर्जा क्रांति में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में आरईसी ने अपनी उधार संबंधी रणनीतियाँ स्वच्छ और हरित ऊर्जा स्रोतों के दोहन के लिए भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप बनाई गई हैं। हम 2030 तक अपने हरित ऋण को मौजूदा 38,971 करोड़ रुपये से 8 गुना बढ़ाकर 3 लाख करोड़ रुपये करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

- उत्पादन
- नवीकरणीय ऊर्जा
- ई-मोबिलिटी
- वितरण
- इंफ्रास्ट्रक्चर
- ऊर्जा संचरण
- पारेषण
- अन्य

पंचामृत लक्ष्यों में आरईसी का योगदान

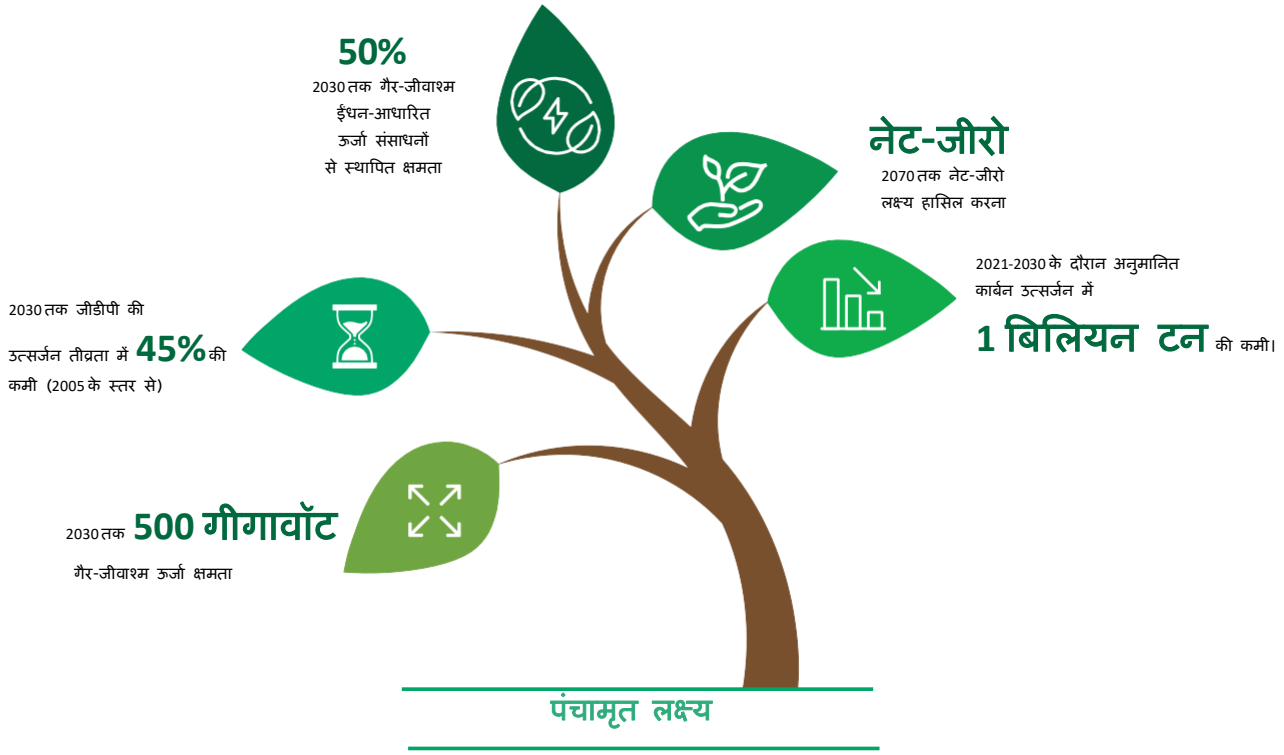

आरईसी की अब तक की प्रगति

01
43,000 मेगावाट+ हरित ऊर्जा परियोजनाएं समर्थित[3]

02
ऋणबही में स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो का 8% हिस्सा

03
नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की मंजूरी में 539% की वृद्धि

स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आरईसी का योगदान

आरईसी द्वारा समर्थित नवीकरणीय क्षमता में प्रति वर्ष[1] 528 लाख टन CO2 की उत्सर्जन रोकथाम क्षमता है, जो एक वर्ष[2] में 203 करोड़ पेड़ों द्वारा अवशोषित CO2 की मात्रा के बराबर है।

[1] नीति आयोग द्वारा भारत जलवायु और ऊर्जा डैशबोर्ड के आधार पर CO2 उत्सर्जन बचाव क्षमता के आकलन के लिए 1 पीएलएफ/सीयूएफ अनुमान
[2] मान लीजिए कि एक पेड़ एक वर्ष में 25 किलो CO2 अवशोषित करता है (इकोट्री इंटरनेशनल)
[3] संस्वीकृतियों के आधार पर

हमारी विविधीकरण रणनीतियाँ

हमने बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में अपने 33% तक ऋणों को शामिल करने के लिए अपने निवेश में विविधता लाकर अपने ऋण पोर्टफोलियो का विस्तार किया है।

- मेट्रो
- सड़क एवं राजमार्ग
- आईटी इन्फ्रा/फाइबर ऑप्टिक्स
- बंदरगाह जलमार्ग
- स्टील इन्फ्रा
- एयरपोर्ट
- सामाजिक एवं वाणिज्यिक इन्फ्रा
- तेल रिफाइनर

हमारे उत्पाद

आरईसी के अल्पकालिक और दीर्घकालिक वित्तीय समाधान हमारे ग्राहकों को सर्वप्रथम रखते हुए डिजाइन किए गए हैं। हम निम्नलिखित उत्पाद प्रदान करते हैं:

1. **दीर्घकालिक ऋण:** परियोजनाओं के लिए राज्य, केंद्र और निजी कंपनियों को दीर्घकालिक ऋण।
2. **लघु/मध्यम अवधि ऋण:** बिजली यूटिलिटीज के उधारकर्ताओं को उनकी तत्काल कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण प्रदान किया जाता है, जिसमें बिजली संयंत्रों के लिए ईंधन की खरीद सहित, प्रणालियों और नेटवर्क रखरखाव आदि शामिल है जिसकी अवधि 1 से 3 वर्ष की है।
3. **उपकरण विनिर्माण का वित्तपोषण:** विद्युत क्षेत्र में उपकरण या सामग्री के निर्माताओं को सावधिक ऋण।
4. **ऋण पुनर्वित्त:** उधारकर्ताओं के लिए उनकी ब्याज लागत कम करने के लिए ऋण पुनर्वित्त योजना। यह सुविधा आम तौर पर चालू परियोजनाओं के लिए उपलब्ध है।
5. **परिक्रामी बिल भुगतान सुविधा (आरबीपीएफ):** जेनकोस और ट्रांसकोस, प्राइवेट ट्रांसकोस, आईपीपी और आरई जेनरेटर के बिजली खरीद बकाया और पारेषण शुल्क के भुगतान हेतु डिस्कॉम के लिए उपलब्ध है।
6. **अन्य:** आरईसी बैंक गारंटी आदि के बदले गैर-फंड-आधारित उत्पाद जैसे लेटर ऑफ अंडरस्टैंडिंग भी प्रदान करता है।

ऋण परिसंपत्ति

हमारे पास ऋण परिसंपत्तियों का एक विविध पोर्टफोलियो है, जिसका मुख्य उद्देश्य पूरे भारत में विद्युत क्षेत्र की परियोजनाओं का वित्तपोषण करना है। हमारा रणनीतिक ऋण नवीकरणीय और पारंपरिक ऊर्जा दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास का सहयोग करता है, राष्ट्रव्यापी विद्युतीकरण और संधारणीयता को बढ़ावा देता है।

₹ 5,09,371 करोड़
कुल बकाया ऋण

₹ 4,54,647 करोड़
राज्य/संयुक्त क्षेत्र के उधारकर्ता

₹ 54,724 करोड़
निजी क्षेत्र के उधारकर्ता

भारत सरकार की भागीदार

आरईसी विद्युत क्षेत्र को मजबूत करने और देश के हर कोने में रोशनी लाने के भारत सरकार के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण संस्थान रही है। गांवों और घरों का विद्युतीकरण करके, बिजली वितरण क्षेत्र में सुधार करके और छत पर सौर ऊर्जाकरण योजना को लागू करके, आरईसी ने विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई योजनाओं और नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विद्युत क्षेत्र में सरकार की भरोसेमंद शाखा के रूप में, आरईसी अपने लक्ष्यों को पूरा करने और देश के हर कोने तक विकास की रोशनी पहुंचाने में सहायक रही है।

अनुवाद किया जा रहा है।